ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 17 अंक-13 अक्टूबर-I, 2016 (पाक्षिक) माउण्ट आबू 8.00

मूल्य आधारित शिक्षा कारगर सभ्य भारत के निर्माण में

✚ शांतिवन परिसर में शिक्षाविदों के लिए त्रिदिवसीय सम्मेलन का सफलतम आयोजन

✚ भारत तथा नेपाल के पाँच हज़ार शिक्षाविद् हुए शरीक

आबूरोड। ब्रह्माकुमारी संस्था के शांतिवन परिसर में शिक्षा प्रभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन में मिजोरम के राज्यपाल उपस्थित थे।

''शिक्षा में संस्कारों पर ज़ोर देना चाहिए। शिक्षक की भूमिका बच्चों में संस्कार निर्माण के साथ श्रेष्ठ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण है। बच्चों में संस्कार देने की पहली सीढ़ी माता पिता की होती है परंतु जब वह स्कूल में शिक्षा ग्रहण करने आते हैं तो इसकी ज़िम्मेवारी शिक्षक पर भी होती है'' - **मिजोरम के राज्यपाल, पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल निर्भय शर्मा।**

''आज मनुष्य में मूल्यों की दिन-प्रतिदिन कमी होती जा रही है। इस कमी को दूर करने के लिए सभी को मिलकर आगे आना होगा तथा नये भारत के निर्माण के लिए युवाओं में नैतिक मूल्यों की शिक्षा को बढ़ावा देना होगा'' **- ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी।**

''आज समय की मांग है कि भौतिक शिक्षा के साथ आध्यात्मिक और मूल्य आधारित शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाये'' **- आई.एम.आर.टी. बिज़नेस स्कूल के अध्यक्ष डी.आर. बंसल।**

शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष **ब्र.कु. मृत्युंजय** ने कहा कि समाज में बढ़ते अपराध व कुरीतियों को कम करने के लिए आज की शिक्षा प्रणाली में मूल्य आधारित शिक्षा को अपनाने की नितांत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज की शिक्षा प्रणाली को, बौद्धिक स्तर को हम सर्टिफिकेट के आधार से आंकते हैं, लेकिन देखने में आता है कि पढ़े-लिखे युवा भी आज हिंसक प्रवृत्ति को अपना लेते हैं। ऐसे में अपनी शिक्षा में संस्कारों का समावेश होने से हमें हिंसक प्रवृत्तियों और वातावरण से छुटकारा मिल सकता है, और हमारा जो स्वप्न है भारत को सुसंस्कृत बनाना, उसमें हम कामयाब होंगे। इसी दिशा में ब्रह्माकुमारी संस्था लगातार प्रयास कर रही है।

कार्यक्रम में काठमाण्डू ज़ोन की प्रभारी **ब्र.कु. राज** तथा मूल्य आधारित शिक्षा के निदेशक **ब्र.कु. पाण्ड्यामणि** ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में संस्थान द्वारा संचालित किये जा रहे मूल्य आधारित दूरस्थ शिक्षा को युवाओं ने बड़ी रुचि के साथ अपने विषयों मे शामिल किया है।

प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक **ब्र.कु. डॉ. हरीश शुक्ला** ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा मूल्य आधारित शिक्षा के प्रति किये जा रहे कार्य की जानकारी दी। कार्यक्रम के मध्य राजयोग मेडिटेशन का भी अभ्यास कराया गया।

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल निर्भय शर्मा।

राज्यपाल को ईश्वरीय सौगात देते हुए दादी रतनमोहिनी तथा ब्र.कु. मृत्युंजय।

तनाव को करें अलविदा - ब्रह्माकुमारी पूनम

जीवन में तनावमुक्त होने के लिए शुभ संकल्पों का बहुत महत्व है, इससे हमारा स्वास्थ्य तो अच्छा होता ही है, साथ ही समाज में समरसता भी आती है। शुभ भावना समाज में लोगों को जोड़ने की एक सर्वश्रेष्ठ औषधि भी है। अगर हमें अपने सुखद अहसासों से जीवन को सँवारना है तो हमें शुभ भावनाओं का भंडार खुद को बनाना होगा। ऐसा कहना था तनाव मुक्ति विशेषज्ञ ब्र.कु. पूनम का...

सभा को सम्बोधित करते हुए तनाव मुक्ति विशेषज्ञा ब्र.कु. पूनम। साथ हैं राज्यमंत्री ललिता यादव, क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. शैलजा तथा गणमान्य अतिथिगण। ध्यानपूर्वक सुनते हुए शहर के प्रबुद्धजन।

छत्तरपुर। ''अलविदा तनाव'' विषयक 12 दिवसीय शिविर का आयोजन गायत्री शक्ति पीठ के निकट स्थित संस्कार धाम में किया गया। उसमें शहर तथा आस पास के विस्तार के गणमान्य नागरिकों सहित राज्यमंत्री श्रीमति ललिता यादव, जिला एवं सत्र न्यायाधीश भरत भूषण श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष नरेश भंडारी एवं पूर्व सांसद जीतेन्द्र सिंह बुंदेला भी उपस्थित थे तथा उन्होंने आभार व्यक्त करते हुए इस कार्यक्रम की प्रशंसा की। ब्रह्माकुमारीज़ की स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शैलजा ने अतिथियों का स्वागत किया। आये हुए सभी मेहमानों ने इस शिविर के लिए अपनी- अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त की। शिविर की मुख्य वक्ता एवं देश की प्रसिद्ध तनाव मुक्ति विशेषज्ञा ब्र.कु. पूनम ने लगभग दो हज़ार शिविरार्थियों के साथ पहले दिन को शुभभावना महोत्सव के रूप में मनाया और सम्बन्धित विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि हम अपने जीवन में कई प्रकार के प्लान बनाते हैं, पर अपने लाइफ का प्लान नहीं बनाते। उन्होंने कहा कि उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने के लिए हमें अपने जीवन को समझना होगा। हमें अपने अंदर झाँक कर देखना होगा कि हमारे अंदर किसी के लिए ईर्ष्या, द्वेष, घृणा की भावना तो नहीं है। यदि है तो इसे परिवर्तन कर अपने जीवन को खुशी, आनंद, प्रेम से भरपूर करें। सभी शहर वासियों ने इस आयोजन के लिए ब्रह्माकुमारी संस्था को दिल से धन्यवाद दिया।